

| ISBN -13 | TITLE | AUTHOR | YEAR VOL | PRICE<br>(Rs) | PAGES | SUB |
|----------|-------|--------|----------|---------------|-------|-----|
|----------|-------|--------|----------|---------------|-------|-----|



**ANUUGYA BOOKS**  
 1/10206, Sub-Lane No. 1E of Main-Lane No. 1,  
 Near T-point & Shiv Mandir  
 West Gorakh Park, Shahdara Delhi-110032  
 e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks.com  
 Ph. : 011-45506552, 7291920186, 9350809192 • www.anuugyabooks.com  
 GST No. : 07ADEPV6508M2ZZ • PAN No. ADEPV6508M



### PAPER BACK ONLY

2023

|                   |   |  |      |     |     |                                |                           |
|-------------------|---|--|------|-----|-----|--------------------------------|---------------------------|
| 978-93-95380-69-0 | आन्ना करेनिना (उपन्यास दो खण्डों में)                                 | लेफ़ तलस्तोय (मूल रूसी से अनुवाद-मदनलाल 'मधु') सम्पादन-अनिल जनविजय | 2023 | 2   | 999 | 351 +<br>315 =<br>666<br>Pages | उपन्यास (रूसी)            |
| 978-93-95380-26-3 | आधुनिक भारत निर्माण में ईसाइयत का योगदान                              | जोसेफ एन्थोनी गाथिया   | 2023 | 1   | 649 | 420                            | समाज विज्ञान              |
| 978-93-95380-04-1 | स्वाधीनता आन्दोलन और साहित्य  | सम्पादक — श्यामबाबू शर्मा  | 2023 | 1   | 799 | 300                            | आलोचना                    |
| 978-93-95380-29-4 | इरोज़ का नखलिस्तान ((राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित असमिया उपन्यास)) | मीनाक्षि बूढागोहाई; अनुवाद : दिनकर कुमार                           | 2023 | 1   | 350 | 192                            | उपन्यास<br>(आदिवासी)      |
| 978-93-95380-72-0 | जीवन की परिधि   | सुभाष कुमार यादव   | 2023 | 1   | 200 | 116                            | कविता संग्रह              |
| 978-93-95380-69-0 | आन्ना करेनिना (उपन्यास दो खण्डों में)                                 | लेफ़ तलस्तोय सं. अनिल जनविजय                                       | 2023 | 1+2 | 999 | 351+320                        | आदिवासी (रूसी)            |
| 978-81-19019-51-9 | सेर होंगथोम (असमिया ऐतिहासिक उपन्यास)                                 | अजित सिंगनर अनु. दिनकर कुमार                                       | 2023 | 1   | 450 | 312                            | उपन्यास<br>(असमिया)       |
| 978-81-19019-46-5 | इस छुपी हुई खिड़की में झाँको  | कौशल्या कुमारसिंघे अनु. अजमल कमाल                                  | 2023 | 1   | 250 | 158                            | उपन्यास (श्री लंका)       |
| 978-81-19019-42-7 | कुहुकि-कुहुकि मन रोय  | विश्वासी एकका  | 2023 | 1   | 190 | 96                             | उपन्यास<br>(आदिवासी)      |
| 978-81-19019-47-2 | कोठी भर धान (स्त्री और आदिवासी जनजीवन की कहानियाँ)                    | विश्वासी एकका  | 2023 | 1   | 200 | 120                            | कहानी संग्रह<br>(आदिवासी) |
| 978-81-19019-10-6 | हिन्दी कहानी-मूल्यों के निकष पर                                       | उर्मिला शुक्ल  | 2023 | 1   | 250 | 152                            | आलोचना                    |

|                   |   |   |      |   |           |     |                     |
|-------------------|---|---|------|---|-----------|-----|---------------------|
| 978-93-95380-87-0 | भक्तिकालीन कविता : कवियों का आत्मसंघर्ष   | एस. के. साबिरा  | 2023 | 1 | 399       | 256 | आलोचना              |
| 978-93-95380-62-1 | गिरोह का ब्रह्मभोज (विश्वविद्यालय की कहानियाँ)  | शशांक शुक्ल   | 2023 | 1 | 250       | 152 | कहानी संग्रह        |
| 978-93-95380-88-1 | राम एक कालजयी चेतना   | संकलन व सं. शची मिश्र   | 2023 | 1 | 399       | 261 | आलोचना              |
| 978-93-95380-89-4 | न्याय, नतिकता और मानवाधिकार के सवाल   | ओमप्रकाश कश्यप  | 2023 | 1 | 450       | 348 | विमर्श              |
| 978-81-19019-12-0 | दीये  | नर्मदेश्वर  | 2023 | 1 | 200       | 104 | कहानी संग्रह        |
| 978-81-19019-18-2 | ई त ऊ ह (अंगरेजी कवितन के भोजपुरी रूपांतर)  | रूपांतरण - नर्मदेश्वर   | 2023 | 1 | 200       | 120 | कविता संग्रह        |
| 978-93-95380-53-9 | प्रगतिशील आन्दोलन और नयी कविता का वच्चारिक अंतःसंघर्ष   | जवरीमल्ल पारख   | 2023 | 1 | 450       | 304 | आलोचना              |
| 978-93-95380-51-5 | पहाड़-गाथा (गोंडवाना की संघर्षगाथा)   | जनार्दन   | 2023 | 1 | 350       | 216 | उपन्यास             |
| 978-81-19019-48-9 | कथा-सान्निध्य   | हरियश राय   | 2023 | 1 | 300       | 184 | आलोचना              |
| 978-81-19020-00-3 | अपराध और दण्ड   | फयोदर दसतावेव्स्की अनु. मुनीश नारायण<br>सक्सेना सं. अनिल जनविजय | 2023 | 1 | 699       | 496 | उपन्यास (रूसी)      |
| 978-93-95380-46-1 | आखिरी जहाजी व अन्य कहानियाँ   | देव निर्मोही  | 2023 | 1 | 250       | 168 | कहानी संग्रह        |
| 978-93-95380-43-0 | हिन्दू राष्ट्र का नव निर्माण (आचार्य चतुरसेन शास्त्री की लोह लेखनी से निस्सृत क्रान्तिकारी ग्रंथ) | सं. दीपचन्द्र निर्मोही  | 2023 | 1 | 300       | 200 | विमर्श              |
| 978-93-95380-15-7 | आधुनिक भारत के इतिहास पर एक विहंगम दृष्टि   | डॉ. ब्रज कुमार पांडेय   | 2023 | 1 | 300       | 199 | विमर्श              |
| 978-93-95380-13-3 | भारत में किसान आंदोलन और उसके नेता  | डॉ. ब्रज कुमार पांडेय व अनीश अंकुर                              | 2023 | 1 | 225       | 140 | विमर्श              |
| 978-93-95380-00-3 | उधर भी हा : इधर भी हा-सुरेश आचार्य  | सं. लक्ष्मी पाण्डेय   | 2023 | 1 | प्रेस में | 286 | व्यंग्य संग्रह      |
| 978-93-95380-83-6 | Christianity's Contribution in the Shaping of Modern India  | Joseph A. Gathia - Sanjay V. Gathia                             | 2023 | 1 | 800       | 540 | Social Science      |
| 978-81-19020-01-1 | हमारे खगेन्द्र ठाकुर  | सं. शंकर  | 2023 | 1 | 300       | 198 | आलोचना              |
| 978-81-19019-36-6 | विजय सन्देश की रचनाधर्मिता : रंग और रेखाएँ  | सं. डॉ. अनिल सिंह व डॉ. अनन्त द्विवेदी                          | 2023 | 1 | 300       | 206 | आलोचना              |
| 978-93-95380-32-4 | मकसीम गोरिकी की कहानियाँ  | अनु. नरोत्तम नागर सं. अनिल जनविजय                               | 2023 | 1 | 390       | 304 | कहानी संग्रह (रूसी) |
| 978-93-95380-99-7 | एक मुट्ठी शाम   | शिरीष पाठक  | 2023 | 1 | 180       | 92  | कविता संग्रह        |

|                   |  |  |      |   |     |     |                 |
|-------------------|--|--|------|---|-----|-----|-----------------|
| 978-93-95380-68-3 | एहसास (कविता संग्रह)   | प्रेमलता कुमारी (लता जी) सं. शंकर दयाल | 2023 | 1 | 250 | 159 | कविता संग्रह    |
| 978-81-19019-38-0 | खेमा (अरबी भाषा के 101 बेहतरीन उपन्यासों में शामिल मिस्री उपन्यास)           | मीराल अल-तहावी अनु. अर्जुमंद आरा       | 2023 | 1 | 200 | 120 | उपन्यास (मिस्र) |
| 978-81-19019-28-1 | उत्तर की ओर गमन का मौसम (सूडानी उपन्यास)                                     | तय्यब सालिह अनु. अर्जुमंद आरा          | 2023 | 1 | 250 | 143 | उपन्यास (सूडान) |
| 978-93-95380-93-5 | फुलिया एक लड़की का नाम है  | अस्मिता सिंह                           | 2023 | 1 | 200 | 102 | उपन्यास         |
| 978-81-19019-45-8 | छायावाद और पं. मुकुटधर पांडेय  | सं. भारत भारद्वाज व साधना अग्रवाल      | 2023 | 1 | 200 | 124 | आलोचना          |
| 978-81-19019-05-2 | सोनाली (एक कमज़ोर पटकथा)   | भूमिका द्विवेदी अशक                    | 2023 | 1 | 299 | 199 | उपन्यास         |
| 978-93-95380-39-9 | भारतीय काव्यार्थ विवेचन परम्परा और अन्य निबन्ध                               | दयाशंकर                                | 2023 | 1 | 300 | 200 | आलोचना          |
| 978-93-95380-44-3 | हिन्दी साहित्य समीक्षण   | दयाशंकर                                | 2023 | 1 | 300 | 191 | आलोचना          |
| 978-93-95380-42-3 | स्वतंत्रता-संग्राम का रोमांचक सच   | दीपचन्द्र निर्मोही                     | 2023 | 1 | 200 | 104 | इतिहास          |
| 978-81-19019-27-4 | बची हुई रात  | हीरालाल नागर                           | 2023 | 1 | 250 | 168 | कहानी संग्रह    |
| 978-81-19019-41-0 | शताब्दी पुरुष (नेता जी सुभाषचन्द्र बोस और जवानों पर केन्द्रित सम्पूर्ण नाटक) | राजेन्द्रमोहन भटनागर                   | 2023 | 1 | 250 | 168 | नाटक            |
| 978-93-95380-22-5 | रास्ता यह भी है (उपन्यास)  | राजेन्द्रमोहन भटनागर                   | 2023 | 1 | 250 | 160 | किशोर उपन्यास   |
| 978-93-95380-57-3 | रंगपुरुष   नाट्यपुरुष  | राजेन्द्र लहरिया                       | 2023 | 1 | 150 | 100 | नाट्य संग्रह    |
| 978-81-19019-43-4 | लौट आना (कहानी संग्रह)   | रणीराम गढ़वाली                         | 2023 | 1 | 200 | 151 | कहानी संग्रह    |
| 978-81-19019-23-6 | इस्तांबुल में हफ्ते भर (यात्रा वृत्तांत)                                     | संतोष अलेक्स                           | 2023 | 1 | 200 | 92  | यात्रा वृत्तांत |
| 978-93-95380-96-6 | यह समय (सम्पादकीय टिप्पणियाँ/आलेख/इंटरव्यू/संवाद)                            | शंकर                                   | 2023 | 1 | 300 | 196 | विमर्श          |
| 978-81-19019-24-3 | स्वच्छ भारत अभियान   | श्यामल बिहारी महतो                     | 2023 | 1 | 200 | 128 | कहानी संग्रह    |
| 978-81-19019-44-1 | फेमिनिज्म  | के. वनजा                               | 2023 | 1 | 299 | 176 | स्त्री विमर्श   |
| 978-81-19020-33-1 | आग दौड़ घर लगी – सुरेश आचार्य  | सं. लक्ष्मी पाण्डेय                    | 2023 | 1 | 399 | 260 | व्यंग्य संग्रह  |
| 978-81-19019-57-1 | MUNTAKHAB MAZAMEEN — Pehli Jild  | Naiyer Masud; Edited by Ajmal Kamal    | 2023 | 1 | 600 | 400 | उर्दू में       |
| 978-93-90973-06-4 | गोदान  | प्रेमचन्द                              | 2023 | 1 | 275 | 272 | उपन्यास         |

|                   |  |   |      |   |      |     |                                   |
|-------------------|--|---|------|---|------|-----|-----------------------------------|
| 978-93-90973-22-4 | स्त्री-मुक्ति : यथार्थ और यूटोपिया   | सम्पादक — राजीव रंजन गिरि   | 2023 | 1 | 499  | 328 | स्त्री विमर्श                     |
| 978-81-19020-36-2 | RAMAYAN SUMAN  | Suman Kant Jha  | 2023 | 1 | 399  | 262 | Mythological<br>Poetry<br>उपन्यास |
| 978-93-90973-18-7 | पुनरुत्थान   | लेफ़ तलस्तोय; मूल रूसी से अनुवाद – भीष्म साहनी; सम्पादन – अनिल जनविजय | 2023 | 1 | 599  | 400 | उपन्यास                           |
| 978-81-19019-60-1 | Muntakhab Mazameen — Pehli Jild  | Waris Alvi; Editing & Compilation by Ajmal Kamal                      | 2023 | 1 | 750  | 520 | उर्दू में                         |
| 978-81-19019-29-8 | Muntakhab Mazameen — Pehli Jild  | C.M. Naim; Edited by Ajmal Kamal                                      | 2023 | 1 | 600  | 368 | उर्दू में                         |
| 978-81-19019-06-9 | दिल्ली में शहरी खेती   | राजेंद्र रवि; राधेश्याम मंगोलपुरी                                     | 2023 | 1 | 400  | 308 | कृषि                              |
| 978-81-19019-01-4 | दिल्ली में परिक्रमा रेल सेवा   | राजेंद्र रवि; राधेश्याम मंगोलपुरी                                     | 2023 | 1 | 150  | 86  | यातायात                           |
| 978-81-19019-08-3 | दिल्ली में शहरी खेती - एक झलक  | राजेंद्र रवि; राधेश्याम मंगोलपुरी                                     | 2023 | 1 | 80   | 56  | कृषि                              |
| 978-93-95380-75-7 | कज़ाक – ल्येफ़ तलस्तोय; मूल रूसी से अनुवाद– योगेन् सं. अनिल जनविजय                                   |   | 2023 | 1 | 250  | 176 |                                   |
| 978-81-19020-15-7 | दिसुम का सिंगार  | सावित्री बड़ाईक   | 2023 | 1 | 250  | 152 |                                   |
| 978-81-19019-69-4 | 'जंगल पहाड़ का पाठ' विश्लेषण (महादेव टोप्पो के काव्य सं. डॉ. संतोष कुमार सोनकर, डॉ. वीरेन्द्र प्रताप |   | 2023 | 1 | 350  | 224 |                                   |
| 978-81-19020-23-2 | निम्मी बनाम निम्मो बी स्त्री मन की कहानियाँ  | किरण  | 2023 | 1 | 199  | 120 |                                   |
| 978-93-93580-61-4 | झारखंड की समरगाथा  | शब्लेन्द्र महतो   | 2023 | 1 | 1199 | 760 |                                   |
| 978-93-93580-66-9 | झारखंड में विद्रोह का इतिहास   | शब्लेन्द्र महतो   | 2023 | 1 | 399  | 200 |                                   |
| 978-93-19020-11-9 | पिता और पुत्र – इवान तुरगेनिफ़   | अनु. मदनलाल मधु, सं. अनिल जनविजय                                      | 2023 | 1 | 250  | 236 |                                   |
| 978-93-93580-78-8 | दरिद्रनारायण (अनु. आँकारनाथ पंचालर), रजत राते (अफ्योदर दसतायेव्स्की, सं. अनिल जनविजय                 |   | 2023 | 1 | 250  | 209 |                                   |
| 978-81-19020-19-5 | आदिवासी देशज संवाद   | सं. सावित्री बड़ाईक   | 2023 | 1 | 300  | 212 |                                   |
| 978-81-19878-03-1 | अढ़ाई घरी भद्रा (बघेली लोकोक्तियों पर लघुकथाएँ)  | डॉ. रामगरीब पाण्डेय 'विकल'  | 2023 | 1 | 180  | 120 |                                   |
| 978-81-19878-02-4 | बघेली कथा साहित्य और प्रतिनिधि कथाएँ   | डॉ. रामगरीब पाण्डेय 'विकल'  | 2023 | 1 | 249  | 160 |                                   |
| 978-81-19878-47-5 | बिट्टो के बिदाई (बघेली कहानी संग्रह)   | गीता शुक्ला 'गीत'   | 2023 | 1 | 199  | 128 |                                   |
| 978-81-19019-67-0 | देश विदेश से लघुकथाएँ-बघेली में  | सं. अशोक भाटिया, अनु. राम गरीब पाण्डेय 'विकल'                         | 2023 | 1 | 180  | 119 |                                   |
| 978-81-19878-71-0 | पीठ का फोड़ा (कहानी संग्रह)  | राम गरीब पाण्डेय 'विकल'   | 2023 | 1 | 199  | 128 |                                   |

|                   |   |                                 |      |   |            |     |
|-------------------|---|---------------------------------|------|---|------------|-----|
| 978-81-19020-51-5 | सरिमन पूत (बघेली कहानियाँ एवं लघुकथाएँ)                             | इन्दिरा अग्निहोत्री             | 2023 | 1 | <b>180</b> | 112 |
| 978-81-19020-02-7 | निअदरी के सुक्ख (बघेली कहानियाँ)                                    | अनु. डॉ. रामगरीब पाण्डेय 'विकल' | 2023 | 1 | <b>199</b> | 128 |
| 978-81-19878-00-0 | रिस्तन केर निबाह (बघेली कहानियाँ)                                   | डॉ. चन्द्रिका प्रसाद 'चन्द्र'   | 2023 | 1 | <b>199</b> | 136 |
| 978-81-19878-85-7 | को बनाइस (बाल मनोविज्ञान पर केन्द्रित बघेली लघुक गीता शुक्ला 'गीत') |                                 | 2023 | 1 | <b>180</b> | 112 |
| 978-81-19878-34-5 | निबाहे परत ह (बघेली लघुकथाएँ)                                       | शंकर सिंह 'दर्शन'               | 2023 | 1 | <b>150</b> | 88  |

| LANG | Weight<br>(grams) |
|------|-------------------|
|------|-------------------|



|  |  |
|--|--|
|  |  |
|  |  |